Title: Regarding alleged remarks made by Shri Khushwant Singh on Bihar during an interview on Soni T.V.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष जी, हम एक बहुत ही गंभीर सवाल उठा रहे हैं। बिहार का इतिहास काफी गौरवमयी रहा है लेकिन सोनी टीवी पर एक तथाकथित पत्रकार खुशवंत सिंह का इंटरव्यू आया जिसमें कहा गया कि बिहार के सारे लोग भिखमंगे और नंगे होते हैं। अध्यक्ष जी, यह बिहार की 10 करोड़ जनता का अपमान है।

13.24 बजे (उपाध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए)

उपाध्यक्ष जी, बिहार के लोग मेहनती हैं और उनके परिश्रम के कारण ही दिल्ली जैसे शहर में बड़ी-बड़ी अट्टालिकाएं खड़ी हैं। बिहार के लोगों का इस तरह से अपमान करना किसी भी प्रकार से किसी को शोभा नहीं देता। मैं आपके माध्यम से सरकार से कहूंगा कि खुशवंत सिंह जैसे तथाकथित पत्रकार को वह बाध्य करे कि वह बिहार की जनता से माफी मांगे। अगर ऐसा नहीं होता है तो सरकार कानूनी कार्यवाही करके, उसको गिरफ्तार करके जेल में बंद करे। अगर ऐसा नहीं किया गया तो हम यह चेतावनी देते हैं कि बिहार की धरती पहले से ही क्रांतिकारी धरती रही है और बिहार के लोगों के दिल में इस बात को लेकर अपमान का बदला लेने की भावना झलक रही है। अगर उन पर सरकार द्वारा कार्यवाही नहीं की गयी तो बिहार के जो लोग दिल्ली में रह रहे हैं वे खुशवंत सिंह को घेरकर उस अपमान का बदला लेने के लिए मजबूर होंगे। इसलिए उपाध्यक्ष महोदय, हम आपके आसन से संरक्षण चाहते हैं और यह बिहार की 10 करोड़ जनता के अपमान का सवाल है। अगर समय रहते सरकार ने खुशवंत सिंह से माफी नहीं मंगवाई या वे माफी नहीं मांगते हैं या सरकार उन पर मुकदमा करके उन्हें जेल में बंद नहीं करती है,

मैं आपको बताना चाहूंगा कि साम्प्रदायिक दंगा भड़क सकता है। इसलिये हम निवेदन करेंगे कि आप आसन से हमें संतोा दें, संरक्षण दें और बिहार की जनता को अपमानित होने से बचायेंâ€¦ (व्यवधान).. मैं आपके आसन से संरक्षण चाहता हूं। यह बिहार की जनता का अपमानित होने का सवाल है। आप सरकार को निर्देश दीजिये कि इस संबंध में कदम उठाये। आप इतना तो कह सकते हैं।

उपाध्यक्ष महोदय : हम निर्देश नहीं दे सकते।

â€¦ (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, इससे बिहार की जनता का अपमान हुआ है। आप हमें आसन से संरक्षण दें।

MR. DEPUTY-SPEAKER: I cannot compel him. मिनिस्टर नोट कर रहे हैं।

मि. कलिअप्पन।

श्री प्रभुनाथ सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, सरकार कुछ कहना चाहती है।

उपाध्यक्ष महोदय : मैंने दूसरे सदस्य को बुलाया है।

श्री प्रभुनाथ सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मंत्री जी कुछ कहना चाहते हैं।

उपाध्यक्ष महोदय : वे ऐसा नहीं कर सकते। श्री रामजी लाल सुमन।

श्री रामजी लाल सुमन (फिरोज़ाबाद): उपाध्यक्ष महोदय..

श्री प्रभुनाथ सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मंत्री जी बोलना चाहते हैं।

उपाध्यक्ष महोदय : बोलना चाहते हैं तो बोलने दें। मैं कैसे कह दूं? मंत्री जी, क्या बोलना चाहते हैं?

रू□□ (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : उसी विाय पर बोलना चाहते हैं।रू□□ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मि. मिनिस्टर, पहले जब मैंने आपको बताया कि क्या आपको कुछ कहना है, आपने कहा कि नहीं। अब क्या कहना चाहते हैं? मैंने इसी बीच में दो आदमियों का नाम बुला लिया है। आप इतना विलम्ब क्यों करते हैं?

श्रम मंत्री (डॉ. सत्यनारायण जटिया) : उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो मामला सदन में उठाया है, उस संदर्भ में यह जो जानकारी हैं, मैं संबंधित मंत्री से बात करके उनका भाव व्यक्त कर दूंगा।